

ॐ वि भद्र देव्यै चतुर्भुजाय नमः
रुद्रं भुव इति रुद्रम् ॥ ॥

भुव ॥ ॥ ॐ मः वाय
प्रेतपुत्राणां रुद्रविमेषमिन्द्रमेक
भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
इन्द्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
रुद्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥

इन्द्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
इन्द्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
रुद्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥

भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
इन्द्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
रुद्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥

भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
इन्द्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
रुद्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥

भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
इन्द्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
रुद्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥

भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
इन्द्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
रुद्राय नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥
भद्रं भद्रम् ॥ ॐ रुद्राय नमः ॥

ॐ वि भद्र देव्यै चतुर्भुजाय नमः
रुद्रं भुव इति रुद्रम् ॥ ॥

Abhinavagupta: Bhairavastotra (T.19 der Hs.). Darüber der Kolophon von Teil 22.

